मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की व्याख्या कीजिए—

(क) विवाहकालोचिततुंगतोरणैः, मणिप्रदीपैश्च
गृहान्तरस्थितैः।
महार्घहर्म्याणि पुरौकसां ययुः, श्रियं दुरापां
सुरसद्मलम्बिनीम्॥

(ख) दिनेदिने सा ववृधे प्रभामयी ह्यलोकसामान्य
विकासमीयुषी।
अपेक्षते स्नेहममन्द दीपिका न वैधसी ह्यद्यकला
चिरन्तनी॥

2. आधुनिक संस्कृत काव्य विधा में महाकाव्यकारों एवं रचनाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. 19वीं तथा 20वीं शताब्दी में विविध विषयगत रचनाओं का वर्णन कीजिए।

4. अनूदित साहित्य का निरूपण कीजिए।

5. श्लोकों के आधार पर 'जानकीजीवनम्' महाकाव्य का वैशिष्ट्य लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. 'जानकीजीवनम्' के द्वितीय सर्ग का सारांश लिखिए।

2. अभिराज राजेन्द्र का परिचय लिखिए।

3. श्लोकों के आधार पर मीरा के पिता रत्नसिंह का वर्णन कीजिए।

4. श्लोकों के आधार पर मीरा के पूर्वजन्म की स्मृतियों का वर्णन कीजिए।

5. उपाख्यानमालिका के आधार पर मिनी एवं जरद्गव का वर्णन कीजिए।

6. आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी का परिचय लिखिए।

7. अलंकार की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

× × × × ×